

परेत वि.पुं. (तद्.) 1. भूत योनि का एक नाम 2. दे. प्रेत 3. मृतक, मुर्दा, लाश, मृत शरीर 4. काल पुं. मृत्यु का समय 4. भूमि, स्त्री. श्मशान।

परेता पुं. (देश.) 1. जुलाहों का एक औजार जिस पर सूत लपेटा जाता है 2. पतंग की डोर लपेटने वाली चर्खी जो कि बाँस की गोल एवं पतली चिपटी तीलियों से बनाई जाती है।

परेद्यवि अव्य. (तत्.) दे. परेद्यु।

परेद्यु अव्य. (तत्.) 1. दूसरे दिन, आने वाला दिन, अगला दिन।

परेर पुं. (देश.) 1. आकाश, आसमान 2. छोटी झंडी जिसे जहाज के किनारे या ऊपर कहीं लगाया जाता है 3. फरेरा, फरहरा।

परेली स्त्री. (देश.) तांडव नृत्य के भेदों में से एक भेद जिसमें अभिनय या भाव-प्रदर्शन कम होता है और अंग-संचालन अधिक।

परेवा पुं. (देश.) 1. पंडुक पक्षी, फाखता 2. कबूतर 3. तीव्र गति से उड़ने वाला पक्षी 4. तेज चलने वाला पत्रवाहक, दूत।

परेश पुं. (तत्.) 1. सबका मालिक, सबका स्वामी 2. परमेश्वर 3. विष्णु 4. ब्रह्मा।

परेशान वि. (फा.) व्यग्रता, उद्विग्नता, दुख या संताप के कारण व्यग्र या व्याकुल।

परेशानी स्त्री. (फा.) 1. व्याकुलता, उद्विग्नता, व्यग्रता 2. घबराहट, हैरानी 3. किसी कार्य में आने वाली बाधा या झंझट।

परेषक पुं. (तद्.) भेजने वाला।

परेषणी पुं. (तद्.) वह व्यक्ति जिसके नाम से कोई वस्तु, पत्र या पार्सल भेजा जाता है।

परेषिती स्त्री. (तद्.) रेल पार्सल या डाक द्वारा किसी के नाम भेजी गई वस्तु।

परेष्टि पुं. (तद्.) ब्रह्मा का नाम।

परेष्टुका स्त्री. (तत्.) कई बार ब्याई हुई गाय, कई बार बच्चा दे चुकी गाय।

परेहा पुं. (देश.) वह जमीन जो हल चलाने या जोतने के पश्चात् सींच दी गई हो, जोती और सींची हुई जमीन।

परैधित वि. (तत्.) 1. अन्य द्वारा पालित या पोषित पुं. 1. सेवक, नौकर 2. कोकिल, कोयल।

परो क्रि.वि. (तद्.) दे. परसों।

परोकोटि स्त्री. (तत्.) दे. पराकाष्ठा।

परोक्त दोष पुं. (तत्.) अदालत के समक्ष ठीक से बयान न कर सकने का अपराध, न्यायालय में की गई गलत-बयानी।

परोक्ष पुं. (तत्.) 1. अनुपस्थिति, अभाव, गैर-हाजिरी, नेत्रों से दूर 2. वह जो तीनों काल की बातें जानता हो, परम ज्ञानी 3. व्याकरण के अनुसार पूर्ण भूतकाल वि. 1. जो दिखाई न दे 2. गुप्त 3. जिसका किसी से सीधा संबंध न हो।

परोक्ष वि. (तत्.) 1. परोक्षसत्ता के प्रति आस्था और विश्वास का सिद्धांत 2. मानव-मन के या स्मृति के पीछे छिपी कोई महास्मृति।

परोक्षत्व पुं. (तत्.) परोक्ष या अदृश्य होने की दशा या भाव।

परोक्ष-वृत्ति स्त्री. (तत्.) 1. अज्ञात जीवन, गूढ़ जीवन।

परोक्षार्थ वि. (तत्.) जिसका अर्थ रहस्यपूर्ण हो।

परोढा स्त्री. (तत्.) अन्य की विवाहित स्त्री।

परोत्कर्ष पुं. (तत्.) दूसरे की वृद्धि।

परोद्वह पुं. (तत्.) कोकिल।

परोपकार पुं. (तत्.) ऐसा कार्य जो दूसरों के भले के लिए किया जाए, दूसरों के हित का कार्य।

परोपकारक पुं. (तत्.) दूसरों की भलाई करने वाला।

परोपकारी वि. (तत्.) दूसरों का हित या भला करने वाला।